हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार 9 मार्च 2026

11 महिलाओं का समाज में अहम् योगदान...

12 महिला दिवस : महिलाओं के अधिकार और सशक्तिकरण पर मंथन जरूरी

खबर संक्षेप

बाबा रामस्वरूप दास मेला कल से

मंडी अटेली। हरियाणा-राजस्थान सीमा बिहाली से सटे राजस्थान के गांव रैवाणा में 10-11 मार्च को दो दिवसीय बाबा रामस्वरूप दास मेला एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। मंदिर के महंत जसवंत दास दादूपंथी ने बताया कि 10 को कबड्डी प्रतियोगिता होगी, जिसमें प्रथम स्थान पर 51 हजार, द्वितीय को 31 हजार, तृतीय एवं चौथे स्थान पर 21 हजार रुपये पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके अलावा बुजुर्गों की दौड़ व रस्साकसी भी कराई जाएगी। 11 मार्च को शोभायात्रा निकाली जाएगी और सांस्कृतिक कार्यक्रम में हरियाणवी कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

दीपदास जी महाराज का भंडारा 12 को

मंडी अटेली। श्रद्धेय दीपदास जी महाराज के सम्मान में हर वर्ष आयोजित होने वाला विशाल भंडारा इस बार अटेली मंडी में 12 मार्च को सेवादास मार्केट साबुन फैक्ट्री के पास आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष यह भंडारा अपने 60वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत स्वर्गीय जगदीश प्रसाद सोनी ने अपने गुरु के आदेश से वर्ष 1967 में की थी।

मोहल्ला ढाणी स्थित माता मसानी का मेला 11 को

महेंद्रगढ़। शहर के मोहल्ला ढाणी स्थित माता मसानी मेला 11 मार्च को आयोजित किया जाएगा। कमेटी प्रधान चेतन यादव पार्षद ने बताया कि माता मसानी का जागरण व मेला कई वर्षों से लगातार करते आ रहे हैं। इस वर्ष भी 11 मार्च को माता मसानी जोहड़ में लगेगा, मेले में कुश्ती एवं ढप्प मंडली प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि 10 मार्च को रात्रि को माता का विशाल जागरण होगा, जिसमें मुख्यातिथि पूर्व विधायक राव दान सिंह एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी चंद्रदीप भरगढ़ होंगे। इसके अलावा 11 मार्च को विशाल मेले का आयोजन होगा।

यादव धर्मशाला में हुआ महिला दिवस कार्यक्रम

नारनौल। मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन व स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में यादव धर्मशाला में कृष्णा कुमारी की अध्यक्षता में सभा हुई। जिसमें प्रस्ताव पारित कर ईरान पर अमेरिकी साम्राज्यवादी, इजरायली गठजोड़ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों के घोर उल्लंघन कर किए गए आक्रमण की निन्दा की। एआईयूटीयूसी जिला सचिव छाजूराम रावत ने कहा कि आज देश की 50 फीसदी महिलाएं घोर असुरक्षा के साये में जी रही है।

पीडब्ल्यूडी व शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बुलाया

27 स्कूलों के जर्जर भवन होंगे ध्वस्त : 10 मार्च को एडीसी कार्यालय में होने वाली बैठक में होगा फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में जर्जर हो चुके भवनों को गिराने की दिशा में प्रशासन ने कदम तेज कर दिए हैं। इस संबंध में एडीसी कार्यालय की ओर से संबंधित विभागों और विद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र जारी कर 10 मार्च को आयोजित होने वाली बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस पत्र के मुताबिक जिला में फिलहाल ऐसे 27 स्कूल चिन्हित किए है, जिनकी हालत खराब है और इन खंडहर इमारतों को ध्वस्त करना है। ताकि भविष्य में अप्रिय घटना से बचा जा सके।

जारी पत्र के अनुसार 10 मार्च को सुबह 11 बजे अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जर्जर स्कूल भवनों को ध्वस्त करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने के विषय में चर्चा की जाएगी। लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी तथा संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य भाग लेंगे। अधिकारियों से कहा गया है कि वे संबंधित भवनों की स्थिति और आवश्यक रिपोर्ट के साथ बैठक में उपस्थित हों। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों और प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित तिथि और समय पर बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करें, ताकि जर्जर भवनों को गिराने की प्रशासनिक प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जा सके। प्रशासन का उद्देश्य जर्जर भवनों के कारण विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ के सामने उत्पन्न हो रहे खतरे को समाप्त करना है। बैठक में तकनीकी रिपोर्ट और आवश्यक औपचारिकताओं पर चर्चा के बाद इन भवनों को गिराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

नारनौल। अकबरपुर स्कूल का जर्जर भवन। फोटो : हरिभूमि

यह है वह 27 सरकारी स्कूल

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बवानिया
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुन्दरह
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, धौलेड़ा
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मण्ढाणा
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मूलोदी
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, चन्दपुरा
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, धनुंदा
- राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला, थनवास
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अकबरपुर
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, थनवास
- राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय, कमानिया
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, नांगल चौधरी
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, खरखड़ाबास
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मुंडिया खेड़ा
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मुंडायन
- राजकीय मॉडल संस्कृति पाठशाला, भोजावास
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मानपुरा
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, बनिहाड़ी
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मूलोदी
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, सेका
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मोहनपुर
- राजकीय माध्यमिक पाठशाला, नंगली
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, शिमली
- राजकीय माध्यमिक पाठशाला, कोजिंदा
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, कोजिंदा
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, ढाणी छिल्लर (शखा जीपीएस बामनवास खेता)
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, फतनी

सैनी सभा कॉलेजियम चुनाव : 108 पहले ही निर्विरोध कॉलेजियम बने

47 वार्डों के चुनाव में 91 फीसदी वोटिंग के बाद परिणाम घोषित

शाम चार बजे के बाद सैनी धर्मशाला परिसर में हुई वोटों की गिनती

जीतने वाले उम्मीदवार और उनके समर्थकों ने गुलाल लगाया किया खुशी का इजहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर की सबसे बड़ी सामाजिक संस्था सैनी सभा (रजि.) के त्रिवार्षिक चुनाव के तहत प्रथम चरण में 47 इलेक्टोरल वार्डों में चुनाव रविवार को हुआ। इन सभी वार्डों में वोटरों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक 91 फीसदी मतदाताओं ने अपने वोट का इस्तेमाल किया। शाम चार बजे के बाद सैनी धर्मशाला परिसर में वोटों की गिनती का कार्य शुरू हुआ जो रात करीब आठ बजे तक चला। जब जब परिणाम वार्ड वाइज सामने आए। जीतने वाले उम्मीदवार और उनके समर्थकों ने खुशी का इजहार करते हुए गुलाल लगाया और डीजे की धुन पर जीत का जश्न बनाते हुए घर की ओर लौट गए। इसमें कई वार्ड ऐसे भी रहे जहां धुरंधर भी हारे तो कई वार्ड ऐसे भी थे, जहां से पिता पुत्र दोनों की जीत हुई तो कहीं पिता पुत्र की हार भी हुई।

सभा के 155 कॉलेजियम वार्ड में पहले ही 91 वार्ड ऐसे थे, जहां से एक-एक आवेदन ही आया था। ऐसे में इन 91 वार्ड से निर्विरोध कॉलेजियम बन गए है। इनके अलावा 64 वार्ड ऐसे थे जहां एक से अधिक यानि कुल 139 नामांकन जमा हुए थे। इन जमा नामाकंनों को विड्रा करने की तिथि में 139 में से 23 नामांकन वापस हुए। इस वजह से 64 वार्ड में से 17 वार्ड में निर्विरोध कॉलेजियम ओर चुने गए है। इस तरह कुल 108 वार्ड से निर्विरोध कॉलेजियम बन गए है। अब 155 में से 108 को छोड़ दे तो बाकी 47 वार्डों पर सहमति नहीं बनने पर चुनाव करवाएं गए है। इस चुनावी प्रक्रिया में चुनाव अधिकारी संदीप सैनी एडवोकेट, उप चुनाव अधिकारी सुरेंद्र सैनी व आब्जर्वर रोशनलाल सैनी और उनकी टीम जुटी थी।

नारनौल। वोट डालने के लिए लगी मतदाताओं की लाइन। फोटो : हरिभूमि

मतदाता एक, वोट दो अलग-अलग वार्ड में

मतदान के दौरान कुछ मामले ऐसे सामने आए। जिनमें मतदाता एक है और उसके वोट दो अलग-अलग वार्ड में है। इसको लेकर प्रतिद्वंदी उम्मीदवार ने विरोध किया तो मामला वाद विवाद निपटारा समिति के सामने पहुंचा। इसमें प्राथमिकता उस वार्ड को दी गई जिसमें पहले वोट था। हालांकि यह सवाल भी उम्मीदवार व मतदाताओं की ओर से उठे कि जिसमें भी यह लिस्ट फाइनल की, उन्हें यह देखना था कि एक ही मतदाता के दो वोट क्यूं है। ऐसे वोट को पहले ही काट देना चाहिए था।

नारनौल। पूर्व प्रधान जयप्रकाश सैनी ने डाला वोट। फोटो : हरिभूमि

जांच के बाद मिली क्लीन चिट, पूर्व प्रधान ने डाला वोट

सैनी सभा के पूर्व प्रधान जयप्रकाश सैनी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से उनके खिलाफ कुछ मनगढ़ंत कहानी बनाई गई। साजिश का पता लगने पर उन्होंने स्वयं सीएम विंडो में एप्लीकेशन लगाकर अपने कार्यकाल की जांच की मांग की। जिला रजिस्ट्रार ने तीन अधिकारियों को नियुक्त किया और उनके कार्यकाल की जांच करवाई। जिसमें उन्हें क्लीन चिट दी गई और सदस्यता बरकरार रखी गई। इसके बाद आज उन्होंने अपने मत का प्रयोग किया।

किस वार्ड में कौन रहा विजेता

बूथ नंबर 1 : इनमें इलेक्टोरल वार्ड नंबर 6, 14, 16, 23 व 26 थे। परिणाम में वार्ड नंबर छह से कृष्ण कुमार को 103 व इंद्राज को 49 मिले। कृष्ण कुमार की 54 वोट से जीत। वार्ड नंबर 14 से प्रवीण को 52 व रघुवीर को 39 वोट मिले। प्रवीण की 13 वोट से जीत हुई। वार्ड नंबर 16 से सीमा को 29 व राखी को 21 वोट मिले। सीमा आठ वोट से जीती। वार्ड नंबर 23 से कालूराम को 24 व राजेंद्र कुमार को 22 वोट मिले। कालूराम दो वोट से जीते। वार्ड नंबर 26 से मोहित को 30 व नीरज कुमार को 25 वोट मिले। मोहित पांच वोट से जीते।

बूथ नंबर 2 : इनमें वार्ड नंबर 27, 39, 41, 46 व 51 थे। जिनमें वार्ड नंबर 27 से सुरेंद्र कुमार को 31 व हरीश कुमार को 24 वोट मिले। सुरेंद्र की सात वोट से जीत हुई। वार्ड नंबर 39 से शिवशंकर को 72 व राकेश कुमार को 58 वोट मिले। शिवशंकर की 14 वोट से जीत हुई। वार्ड नंबर 41 से तेजप्रकाश को 27 व नवीन को 21 वोट मिले। तेजप्रकाश छह वोट से जीते। वार्ड नंबर 46 से खुबाराम को दो वोट मिले। पवन कुमार को कोई वोट नहीं मिला। इस तरह खुबाराम दो वोट से जीते। वार्ड नंबर 51 से रमेश को 52 व मनीष को 26 वोट मिले। रमेश 26 वोट से विजय घोषित हुए।

बूथ नंबर 3 : इस बूथ में वार्ड नंबर 62, 63, 65, 70 व 71 थे। वार्ड नंबर 62 में विक्रम को 62 व रामप्रताप को पांच वोट मिले। इस तरह विक्रम की 57 वोट से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 63 से रामनिवास को 24 व हरिकिशन को 20 वोट मिले। रामनिवास चार वोट से जीते। वार्ड नंबर 65 से सुशील सैनी को 25 व चिरंजी को 18 वोट मिले। सुशील सैनी सात वोट से जीते। वार्ड नंबर 70 से अंशुमन को 28, विष्णु सैनी को 24 व प्रवीण को एक वोट मिला। इसमें अंशुमन चार वोट से विजय हुआ। वार्ड नंबर 71 से कमल सिंह को 19 व राजू सैनी को 13 वोट मिले। इस तरह कमल सिंह छह वोट से जीते।

बूथ नंबर 4 : इस बूथ में वार्ड नंबर 72, 74, 75, 77 व 79 थे। वार्ड 72 में बालकिशन सैनी को 39 व सज्जनसिंह को 28 वोट मिले। बालकिशन 11 वोट से जीते। वार्ड नंबर 74 से ईश्वर सिंह को 27 व हरिश कुमार को 17 वोट मिले। ईश्वर सिंह 10 वोट से जीते। वार्ड नंबर 75 से सन्नी को 18 व शैतान सिंह को 16 वोट मिले। सन्नी की दो वोट से जीत हुई। वार्ड नंबर 77 से पीयूष को 12, पवन को सात, प्रद्धुमन को छह वोट मिले। इसमें पीयूष ने पांच वोट से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 79 से लोकेश कुमार को 31 व चंद्रप्रकाश को 26 वोट मिले। लोकेश कुमार की पांच वोट से जीत हुई।

बूथ नंबर 5 : इस बूथ में वार्ड नंबर 81 व 84 थे। वार्ड नंबर 81 से जयवीर को 22 व परमजीत सैनी को सात वोट मिले। जयवीर की 15 वोट से जीत हुई। वार्ड नंबर 84 से विजय सिंह को 44 व अनिल कुमार को 29 वोट मिले। विजय सिंह को 15 वोट से जीत हासिल हुई।

बूथ नंबर 6 : इस बूथ में वार्ड नंबर 85, 87, 88, 90 व 91 थे। वार्ड नंबर 85 से कैलाश चंद को 61 तथा उमराव सिंह को 39 वोट मिले। कैलाश चंद 22 वोटों से जीते। वार्ड नं 87 से जयसिंह को 43 तथा कालीचरण को 30 वोट मिले। जयसिंह 13 वोटों से जीते। वार्ड नं 88 से नरेश कुमार को 37 तथा विजय कुमार को 24 वोट मिले। नरेश 13 वोटों से जीते। वार्ड नं 90 में हरीकिशन को 26 तथा राजकुमार को 18 वोट मिले। हरीकिशन 8 वोटों से जीते। वार्ड नं 91 में किशोरी लाल को 37 तथा महेश कुमार को 35 वोट मिले। किशोरी लाल महज दो वोटों से जीते।

बूथ नंबर 7 : इस बूथ में वार्ड नंबर 92, 95, 102, 105 व 108 थे। वार्ड नं 92 में कांता देवी को 91 तथा सुनीता को 56 वोट मिले। कांता 35 वोटों से जीती। वार्ड नं 95 में वीरेंद्र को 28 तथा बनवारी लाल को 26 वोट मिले। वीरेंद्र दो वोटों से जीते। वार्ड नं 102 में सुगना को 35 तथा छोटा देवी को छह वोट मिले। सुगना 29 वोटों से जीती। वार्ड नं 105 में पवन कुमार को 64 तथा सोहन लाल को 42 वोट मिले। पवन कुमार 22 वोटों से जीते। वार्ड नं 108 में अभयसिंह को 64 तथा सचिन सैनी को 27 वोट मिले। अभयसिंह 37 वोटों से जीते।

बूथ नंबर 8 : इस बूथ में वार्ड नंबर 117, 120, 122, 123 व 128 थे। वार्ड नं 117 में राजेंद्र कुमार को 49 तथा रामनिवास को 44 वोट मिले। राजेंद्र पांच वोटों से जीते। वार्ड नं 120 में भवानी शंकर को 65 तथा प्रेमचंद को 58 वोट मिले। भवानी 7 वोटों से जीते। वार्ड नं 122 में नरेश सैनी को 46 तथा महेश कुमार को 34 वोट मिले। नरेश सैनी 12 वोटों से जीते। वार्ड नं 123 में गजानंद को 58 तथा सतपाल को 13 वोट मिले। गजानंद ने 45 वोटों से एकतरफा जीत दर्ज की। वार्ड नं 128 में विजय कुमार 53 तथा उमेश सैनी को 33 वोट मिले। विजय कुमार 20 वोटों से जीते।

बूथ नंबर 9 : इस बूथ में वार्ड नंबर 134, 136, 137, 138 व 140 थे। वार्ड नं 134 में गोविंद को 31 तथा चितरू राम को 21 वोट मिले। गोविंद 10 वोटों से जीते। वार्ड नं 136 में राजेश कुमार को 57 तथा धर्मेश को 24 वोट मिले। राजेश 33 वोटों से विजयी रहे। वार्ड नं 137 में कर्णसिंह को 44 तथा केशव सैनी को 30 वोट मिले। कर्णसिंह 14 वोटों से जीते। वार्ड नं 138 में विवेक को 39 तथा मनीराम को 34 वोट मिले। विवेक पांच वोटों से विजयी रहे। वार्ड नं 140 में विक्रम को 27 तथा पवन कुमार को 19 वोट मिले। विक्रम आठ वोटों से जीते।

बूथ नंबर 10 : इस बूथ में वार्ड नंबर 143, 152, 153, 154 व 155 थे। वार्ड नं 143 में नरेंद्र कुमार को 50 तथा बलबीर को 31 वोट मिले। नरेंद्र 19 वोटों से जीते। वार्ड नं 152 में अनिल कुमार को 72 तथा गणेश कुमार को 42 वोट मिले। अनिल 30 वोटों से जीते। वार्ड नं 153 में मंजू को 51 तथा उर्मिला को 43 वोट मिले। मंजू आठ वोटों से विजयी रहे। वार्ड नंबर 154 से अजय को 70 व राकेश को 49 वोट मिले। अजय की 21 वोट से जीत हुई। वार्ड नंबर 155 में भारत सिंह को 35 व मनोज कुमार को 31 वोट मिले। इसमें भारत सिंह की चार वोट से जीत हुई।

भगडाना गांव के पहले सूबेदार और ऑनरेरी कैप्टन बनने का गौरव हासिल किया

1945 में महाराजा पटियाला की फौज में भर्ती हुए, द्वितीय विश्वयुद्ध भी लड़ा, अब पूर्व सैनिक ने ली अंतिम सांस

पाकिस्तानी और चीनी सेना के बाद कोरोना महामारी को भी दे चुके थे मात

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव भगडाना के पूर्व सैनिक कप्तान नौरंग सिंह का गांव के श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। उनके पोते और हरियाणा युवा यादव महासभा के पूर्व जिला कार्यकारी अध्यक्ष अनिल भगडाना ने बताया कि उनके दादा 1945 में महाराजा पटियाला की फौज में भर्ती हुए थे और द्वितीय विश्वयुद्ध लड़ा था। देश आजाद होने के बाद रियासतों का भारत सरकार के अधीन विलय होने के चलते अधिकतर सैनिकों को घर भेज दिया गया, लेकिन उनके मन में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। परिणामस्वरूप वे 1948 में पुनः भारतीय सेना में भर्ती हो गए। शुरू में वे भारतीय सेना की पंजाब रेजिमेंट की 16वीं यूनिट और उसके बाद 19वीं बटालियन में रहे। 31 दिसंबर 1975 को वे सेवानिवृत हुए और गांव में आकर काफी सालों तक स्कूल और गांव की सामाजिक संस्थाओं में रहकर समाज सेवा की। वे सात भाई-बहनों में तीसरे नंबर की संतान थे।

महेंद्रगढ़। पंजाब रेजिमेंट के जवान श्रद्धांजलि देते हुए। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने अपने दादा-दादी से लेकर अपनी परपौत्री की बेटी सहित सात पीढ़ियां देख ली थी, जो कुछ विरले लोगों को ही नसीब होता है। वे अपने पीछे तीन बेटे-बेटी, छह पोते-पोती, आठ परपोते-परपौत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं, जो भारतीय सेना और व्यावसायिक क्षेत्र सहित केंद्र सरकार, हरियाणा सरकार और निजी क्षेत्र में बड़े-बड़े पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके अंतिम संस्कार पर पंजाब रेजिमेंट की तरफ से सैनिक टुकड़ी ने आकर पार्थिव शरीर को कंधा देने के साथ-साथ पुष्पचक्र भेंटकर अमर रहे के नारे लगाकर माहौल को देशभक्तिमय बना दिया। उनके अंतिम संस्कार में गांव और आसपास के गांवों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं जैसे यादव सभा, भूतपूर्व सैनिक विकास संघ, राहत ग्रुप, वेद प्रचार मंडल, नेवल वेटरन एसोसिएशन, आर्य समाज, 19 पंजाब रेजिमेंट भूतपूर्व संगठन के पदाधिकारियों सहित क्षेत्र और गांव के सैकड़ों लोगों ने उनकी अंतिम यात्रा में हिस्सा लेकर उन्हें अपनी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी। शोकसभा प्रतिदिन उनके भगड़ाना निवास पर आयोजित होती है और रस्म पगड़ी और श्रद्धांजलि सभा 15 मार्च रविवार को भगड़ाना स्थित उनके निवास पर आयोजित की जाएगी।

नांगल चौधरी क्षेत्र में एक महीने बाद भी नहरी पानी नहीं देने पर जताई चिंता

नारनौल। किसान नेता बलबीर सिंह ने सिंचाई के लिए नांगल चौधरी क्षेत्र में एक महीने के बाद भी नहरी पानी उपलब्ध न करवाने पर रोष व चिंता जाहिर की है। उन्होंने बताया कि तापमान सामान्य से पांच-छह डिग्री ऊपर चल रहा है। गेहूं की फसल सूखने के कगार पर है। ऐसे में गेहूं की फसल को 15 दिन में पानी चाहिए, लेकिन नांगल चौधरी क्षेत्र की नहरों में पानी आए एक महीने से ऊपर हो चुका है। इन हालातों में निश्चित ही गेहूं की पैदावार पर नकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पिछले महीने की चार-पांच तारीख को जिले की नहरों में पानी बंद हो गया था। आज आठ तारीख तक भी नांगल चौधरी क्षेत्र में पानी की सप्लाई चालू नहीं की गई है। जबकि छह तारीख को नहरों में पानी आ चुका है। नौ तारीख को सिंचाई विभाग में आधिकारियों से मिलकर पानी की सप्लाई बारे पता किया जाएगा। सिंह ने आगे कहा कि दोचाना व गहली की तरफ तो पानी चल रहा है तो फिर नांगल चौधरी क्षेत्र में पानी अभी तक क्यों नही छोड़ा गया। उन्होंने सवाल किया कि यह राजनैतिक भेदभाव तो नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि जब भी नहर की सप्लाई आती है, पानी पहले दोचाना व गहली की तरफ ही चलता है। यह सब नांगल चौधरी क्षेत्र के राजनैतिक समीकरण बदलने के बाद से हुआ है। उन्होंने सरकार द्वारा घरेलू व कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में की गई 60 व 115 रुपया की वृद्धि की भी आलोचना की है तथा इस वृद्धि को तुरंत वापस लेने की मांग की है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

महिला सशक्तीकरण के लिए चलाया सशक्त नारी समृद्ध हरियाणा अभियान

महेंद्रगढ़। हरियाणा ग्रामीण बैंक ने रविवार को महिला दिवस पर सशक्त नारी समृद्ध हरियाणा अभियान चलाकर महिलाओं को सशक्त किया। इस दौरान बैंक के सीनियर मैनेजर राजेश गुर्जर ने बताया कि हरियाणा ग्रामीण बैंक, हरियाणा का ब्रांच के हिसाब से सबसे बड़ा बैंक है। बैंक का मुख्य उद्देश्य हर महिला को आत्मनिर्भर बनाना है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महेंद्रगढ़ क्षेत्र में सशक्त नारी समृद्ध हरियाणा अभियान चलाया गया। इस अभियान को क्षेत्र की 60 शाखाओं ने सफल बनाया। बैंक की क्षेत्रीय प्रबंधक पुष्पा यादव ने बताया कि की बैंक द्वारा चलाए गए, अलग अलग स्कीम मे ये लोन महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, व्यवसाय शुरू करने, आय बढ़ाने और आत्मविश्वास दिलाने में सहायक होंगे। बैंक ने अपनी महिला कर्मचारियों को भी विशेष प्रोत्साहन दिया। शहर के निजी रेस्टोरेंट में दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक नृत्य और विशेष मोमेंटो भेंट के साथ उत्सव मनाया गया।

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।

-मुंशी प्रेमचंद

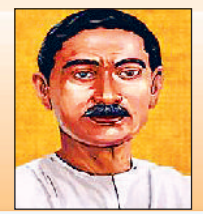

हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती, इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरुष होना डरा रहा था।

कहानी

वंदना यादव

मीडिल मैन

वह सर्दियों की रात थी। मोबाइल में दिख रहे समय के अनुसार वक़्त देर शाम से आगे बढ़ कर पहले पहर की रात में ढल चुका था। मैं घर पहुंचने की बेचैनी में बार-बार समय देख रही थी। पन्द्रह मिनट पहले घड़ी में दस बज गए थे। समय अब भी लगातार आगे बढ़ता जा रहा था। महानगर की रोशनियों से ज़रा दूर होते ही डरावने अंधेरे घेरने लगते हैं। उस दिन अंधेरा पूरी दहशत के साथ मेरे आस-पास फैलता हुआ महसूस हुआ। रात साढ़े दस बजे के करीब मैं अपनी नियमित दिनचर्या से तीन की घंटे की देरी से मेट्रो से उतरी। गहराते कोहरे में सब सवारियों में अकेली महिला होने के कारण मैं कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखा रही थी।

मेरे आगे-पीछे वाले मेट्रो के किसी कोच से एक बेफिक्र सा युवा भी उतरा। हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। उस समय मंज़र कुछ अलग तरह का था। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरूष होना डरा रहा था। सर्दी पूरे चरम पर थी इसीलिए इस समय वहां कोई ऑटो नहीं था। मेट्रो स्टेशन के बाहर मौजूद सभी पांच लोगों ने एक-दो बार संशय भरी नज़रों से एक-दूसरे को देखा। इसी दौरान वह बेफिक्र सा युवा अचानक मेरे पास आ कर खड़ा हो गया। बिना कुछ बोले, वह मेरे साथ खड़ा रहा। कानों पर मोटे हैडफोन के आकार का ठंडक से बचने का इंतजाम लगाए वह कोई गीत गुनगुना रहा था। उसके गीत की धुन इससे पहले मैंने कभी नहीं सुनी थी।

सब सवारियां किसी वाहन का इंतज़ार कर रही थी कि उसी समय दूर से एक ऑटो रिक्शा की आवाज़ अपनी ओर आती सुनाई दी। कुछ ही पलों में कोहरे के बीच से एक मद्दम से जलते बल्ब को अपनी ओर आते हुए पाया। ऑटो ठीक से रुका भी नहीं था कि छः लोगों की सवारी में चार लोग हड़बड़ी के साथ चढ़े, मानो देरी होने पर सीट नहीं मिलेगी। ऑटो रिक्शा के रुकने पर जब मैं बैठने लगी, 'प्लीज सिट' उस बेफिक्र से युवा ने अपने साथ वाली सीट की ओर संकेत करते हुए कहा। पैंतालीस वर्षों से यहां रहते हुए मैं इस शहर को कुछ-कुछ समझने लगी हूं। कैंडल मार्च करने वाला यह शहर अपने आसपास की महिलाओं की सुरक्षा से बेपरवाह रहता है। उस दिन भी यही हुआ।

दो सवारियों को उतारने के बाद उसी दिशा में मेरा घर था, मगर एक प्रोढ़ उम्र वाले साथी सवार ने चालक को बाध्य कर दिया दूसरी दिशा के अपने पते पर चलने के लिए। कहने-सुनने का कोई अर्थ नहीं था, इसीलिए मैं चुप रही। इसके बावजूद मेरे चेहरे पर परेशानी फैल गई। मेरी विवशता देख उस बेफिक्र युवा की आंखों में फिक्र के बादल उमड़ आए।

'मैम, आपको एड्रस पर ड्रॉप करके घर जाएंगे।' अनायास ही उसने कहा।

'मैं अपने आप चली जाऊंगी। आप अपना एड्रेस बता दो, जिसका घर पहले आएगा, रिक्शा उधर ही पहले जाएगा।'

'मैम, आप मेरा मम्मा जैसा हैं। मैं ऐसा रात में मेरी मम्मा को अकेला नहीं छोड़ेंगे।' इस बार मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा, वह भारतीय नहीं था।

'तुम कहां से हो?'

'म्यांमार से मैम।'

'यहां कैसे आए?'

'काम से मैम।' उसके बोलने से लगा कि वह कहना चाहता था, मेरी उम्र से अंदाज़ लगा लो, यह काम करने की उम्र है, वही करने आया हूं।

'क्या करते हो?'

'अबी काम सीख रहा हे।' सड़क पर आती-जाती स्ट्रीट लाइट की रोशनी में मैंने उसकी आंखें देखीं, छोटी-छोटी सी, मगर ज़िंदगी से लबरेज़ आंखें।

'मेरा अंकल एडमिट हे यहां के हॉस्पिटल में।' उसने बताया।

'क्या हुआ उन्हें?'

'हार्ट का प्रोब्लम हे मैम। सर्जरी करना हे। ट्रांसप्लांट करेगा दोक्तर।' भाषाई भेद के बावजूद वह सही तरह से अपनी बात समझाना सीख गया था।

'कौन से हॉस्पिटल में हैं?' उसने जो नाम बताया उससे मेरी उत्सुकता बढ़ गई।

'तुम म्यांमार से सीधे यहां कैसे पहुंचे? इंटरनेट पर सर्च किया था, इस हॉस्पिटल के बारे में या किसी ने यहां भेजा है?' मैंने फिर सवाल किया।

'यस मैम, मेरा कंट्री से सब इंडिया आते हें इलाज के लिए।'

'क्या तुम्हें मेडिकल टूरिज्म के बारे में मालूम है?'

'यस।' उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया।

'तुम्हें पक्का पता है ना कि तुम्हारे अंकल को इसी इलाज की ज़रूरत है, कहीं दोनों देशों के लोग मिलकर तुम्हें बेवकूफ ना बना रहे हों।'

'अमारे कंट्री में पहले चेक करते हे। वो रेफर करता हे, तब इंडिया आते हे।' उसने अपनी ओर से स्थिति की तस्वीर खींची। रिक्शा इस समय भी मेरे घर की विपरीत दिशा में दौड़ रहा था।

'मैम, आप कोई जॉब करते हे?' यह पूछते हुए उसकी आवाज़ में झिझक नहीं थी।

'क्यों?' महानगरीय लोग सामने घटित हो रही घटना को नज़र अंदाज़ करने और सवाल के बदले सवाल पूछने के आदी होते हैं। अब मैं भी महानगर हो गई हूं, सो बिना जांच पड़ताल किए, कुछ भी कैसे बता देती!

'आपको पहले नहीं देका। मे इसी टाइम पर आता हे कई बार।' उसने घड़ी देखते हुए कहा।

'तुम कब से हो यहां?'

'छे महीना से।'

'सर्जरी हो गई तुम्हारे अंकल की?'

'हो गए।'

'तुम वापस कब जाओगे?' इस बार ऑटो मेरे घर की दिशा में जा रहा था।

'मेरा एक ओर अंकल का सर्जरी होने हे। ये लोग रिटर्न जा रहे हे, मैं यहीं रहेगा।'

'ये तुम्हारे अंकल हैं या तुम यही बिजनेस करते हो?' इस बार का वार, लुहार के हथौड़े वाला था।

'ये अंकल हे, पर अब में यही रहेगा और काम सीकेगा।'

'क्या काम सीखने वाले हो?' मैंने पूछा।

'मिडिल मैन! में मिडिल मैन बनेगा।' उसने पूरे यक़ीन के साथ कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा, मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'यह मीडिल मैन क्या होता है?'

'देको, अमरे मीडिल मैन और आपके देश वाले मीडिल मैन ने अमको ऑप्शन दिया कि इस ट्रीटमेंट के लिए इंडिया के कौनसे हॉस्पिटल में ईलाज करवाना हें। एक्चूली बताया कि ये वाले हॉस्पिटल टीक हे, तो अम यहां आया।' उसने मुझे समझाया।

'इसमें तुम क्या सीखोगे?'

'मैम, मेरे कंट्री का मैं सब कुच जानते हे। यहां रह कर आपके देश का सीक रहा हे। थोडा टाइम में देकना मैम, में सब सीक जाएगा... खूब रूपीज़ कमाएगा मैम। बैक होम, फेमली को भेजेगा वो सारे रूपीज़।'

'कितने लोगों का इलाज़ करवाओगे तुम?'

'मैम, मरना कोन चाहते हे? सब जानते हे कि मरना हे, फिर भी मरना नही चाहते।' यह कहकर वह ठट्ठा कर हंसा और देर तक हंसता रहा।

'मैम, ओल्ड मैन भी लोन पर रूपीज़ ले कर इलाज करवाने दौड़ते हे... कहीं भी दौड़ते हे। अमारा लोग इंडिया आते हे। में लाएगा उनको इंडिया। में मिडिल मैन बनेगा।'

'मीडिल मैन क्या होते हे?' मैंने पूछा।

'मेडीकल डीलर, में वही बनेगा।' उसने कहा।

'तुम्हारी फेमिली में कौन-कौन हैं, रुपये किसे भेजोगे?'

'मेरे पेरेंट्स हे मैम। अमारा फार्मिंग का लैंड हे जेसे आपके देश में खेती ओता हे, वहां भी ओता हे।'

'बस...बस, रिक्शा रोको, यही है मेरा घर।'

'मैम, प्रोबलम नई हे तो अपना नंबर शेयर करेंगे?' उसने कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'मैम, में कॉल कर रहा हूं, आप प्लीज फोन उठाएं।' संदेश करने वाले की तस्वीर पहचानी सी लगी, परन्तु नाम याद नहीं आ रहा था।

'हैलो मैम, मैं अली बोल रहा हे म्यांमार से।' बस इतना ही परिचय चाहिए था। मुझे सर्द रात में फ़रिश्ते सा वह युवा याद आ गया।

'हैलो अली, कहां हो आजकल?'

'मैम, मेरा मदर एक्सपायर हो गया था, तब मैं अपने घर आया था फिर यह सब हो गया, फ्लाइट बंद हो गया। अब मेरे फादर भी नहीं रहा मैम।'

'ओह, जानकर बहुत दुख हुआ बेटा।' इस बार भी बेटा संबोधन अंतर्मन से निकला था।

'मैम, जल्दी ये सब ठीक होने वाला है। फ्लाइट शुरू होते ही मे इंडिया आ जाउंगा। अब उतने पैसे की जरूरत नहीं है। यहां कोई नहीं बचा मेरा। मैम, मेरा मम्मा नहीं रहा, मे एक बार आपसे मिलना चाहता हे, आ जाऊं मैम?'

'हां, बेटा, हालात ठीक हो जाते हैं तब आना।' बात ख़त्म हो गई थी। चिपचिपा मौसम एकाएक बदल गया... हर ओर ठंडी हवा बहने लगी।

लघुकथा डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पापिन

गंगा की पावन जलधार में डुबकी लगाई और ईश्वर का ध्यान किया। कुछ क्षण आंखें बंद किए उसे पुकारता रहा। डुबकी फिर लगाई। एक नहीं...कई डुबकियां एक साथ लगाई। फिर घाट की पौड़ी पर पांव रखा ही था कि सामने कावेरी को देख दंग रह गया।

वह शायद अपने पाप धोने आई थी। अंतस् में विचार जागने लगा।

मुझे देख ठगी-सी खड़ी रह गई वह और आंखों से अश्रुधारा फूट पड़ी। फिर मेरी आंखों में झांकती हुई धीरे से आगे बढ़ी और पैरों में गिरकर बिलख पड़ी। मैं अचेत-सा उसे देखता रहा।

चेतना जागी तो कह बैठा- 'मुझे छोड़कर गई, सहन हुआ। पर तुमने तो ममत्व का भी गला घोंट दिया। अपने ही दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर चली गई?'

'मैं आप दोनों की अपराधी हूं, पापिन हूं।' नजरें कभी उठती, कभी गिरती रही।

'जिसके लिए हमें छोड़कर गई थी, वह साथ नहीं है क्या? उसे तो तुम्हारे साथ होना चाहिए था?'

'नहीं...।' और रुदन काँपने लगा।

'नहीं क्यों..?'

'उसे मेरी देह चाहिए थी, मैं नहीं।...देह मिली तो वह चला गया।' बहती अश्रुधार से उसकी आंखें मिच-मिचाने लगी थीं।

गजल सत्यप्रकाश बलेवा

मानवता लाचार है

शक्तियों का हो रहा प्रचण्ड रोज प्रहार है,
हर तरफ चीख-पुकार और हाहाकार है।
थर्रा उठे शहर-महल वहां रातों-रात में,
शक्तियों के युद्ध में मानवता लाचार है।
शांति के दूत बने खाते हैं नित मौत को,
जगह-जगह लगा हुआ गोलों का अंबार है।
धधक रहा आसमान मौत की बारिश बने,
सनक शासक की उठे मार-अत्याचार है।
चारों तरफ हो रहा मौत का तांडव जहां,
मानव की बेबसी पर रो रहा संसार है।
भागती जिन्दगियां लील लेगा अब कभी,
क्रूर शासक कर रहे मौत का व्यापार है।
स्वार्थ अपने सिद्ध कर दादागिरी का सार है,
विश्व की संस्थाएं मौन-चुप लाचार है।

कविता नवीन फरमाणियां

सरकार के आगे

सभी हैं मौन, सरकार के आगे
फिर बोले कौन, सरकार के आगे...
हो गया कानून अंधा, नहीं दिखता चेहरा
बन बैठा लोकतंत्र बहरा, सरकार के आगे ...
हो गए कैद क़फस में हम
अधिकार जो मांगे, सरकार के आगे...
महंगाई ने कर रखा गरीबों का हाल बेहाल
कौन करे सवाल, सरकार के आगे...
डंडों से देंगे मार, जाएंगे गैस के गोले दागे
जो मांगे रोजगार, सरकार के आगे...
राम राज्य में सुरक्षित नहीं, सीता जो
कौन दिलाएं न्याय रेप पीड़िता को, सरकार के आगे...
अमीर होता तो न्याय मिल जाता
गरीब खड़ा हाथ जोड़, सरकार के आगे...
कलम पर भी बरसा प्रकोप बनकर काल
नवीन तेरी क्या मजाल, सरकार के आगे।

जिंदा लोगों का मोहल्ला

जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ -सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे।

व्यंग्य

सुनील साहिल

आज मोहल्ले के निवासियों की सभा हुई जिसमें तय हुआ कि मोहल्ले के जिंदा लोगों को चिन्हित किया जाएगा, लेकिन साथ ही यह आशंका भी जाहिर की गई कि जिंदा लोगों की पहचान कैसे की जाए?

मोहल्ले के सबसे बुद्धिजीवी व्यक्ति ने एक सर्वश्रेष्ठ सुझाव दिया कि सबसे पहले यह देखा जाएगा कि जिंदा आदमी सांस ले रहा है। साथ में जिंदा आदमी की पहचान यह भी तय की जाए कि वह जमीन पर चलता हो और यदि जिंदा आदमी देख भी सकता है तो यह उसकी अतिरिक्त योग्यता होगी। एक मरे हुए जिंदा आदमी ने कहा कि मोहल्ला स्तर की 'जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता' का आयोजन हो और समारोह स्थल स्थानीय कब्रिस्तान का बाग हो क्योंकि वहां ऑडियंस के रूप में मुर्दे तो पहले से ही मौजूद हैं। इसके लिए आनन-फानन में एक समिति का गठन किया गया। सुझाव क्योंकि एक मरे हुए जिंदा आदमी ने दिया था तो सब निवासियों ने गाल बजाकर इसका स्वागत किया। जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

कुछ अतिरिक्त चतुर युवा प्रतियोगी 'जिंदगी जिंदादिली का नाम है मुरदे क्या खाक जिया करते हैं' जैसी कविताएं रटने लगे। लड़कियां 'जिंदा हूं मैं' जैसे सिनेमाई नगमे याद करने लगी। मानों मोहल्ला फिर से जी उठा। चारों तरफ जिंदगी का माहौल था। आखिरकार प्रतियोगिता का दिन आ ही गया। मुख्य अतिथि स्थानीय नेता श्री मरे प्रसाद 'जीवित' जी थे जो कि अपने समय के महान स्वघोषित जिंदा थे। उन्हें 'जिंदा विभूषण' जैसा राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। जिंदा लोगों की इस खोज प्रतियोगिता में सबसे पहले मोहल्ले के निवासियों को भागकर दिखाना था। बिगुल बजते ही सब भागने लगे और कुछ निवासी ऐसे पीठ दिखाकर भागे कि लौटकर कर ही नहीं आए। इसका अर्थ ये निकाला गया कि वे जिंदा नहीं थे, बस अपने कंधों पर अपनी लाश ढो रहे थे और इस अवगुण के चलते वे सब प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

एकाएक मोहल्ले के साहित्यकार समवेत स्वर में चिल्लाने लगे 'हिंदी हमारी मां है, हिंदी हमारी मां है' क्योंकि उन्होंने कहीं से सुन लिया था कि जिसे निज भाषा पर अभिमान नहीं, वह पुरुष मृत समान है। जिंदा दिखने का यह उनका अनूठा प्रयास था। दूसरे राउंड में नेताजी मोहल्ले की एक औरत को पीटने लगे जिसे मोहल्ला निवासी मनोरंजन की दृष्टि से देख रहे थे। यही उनकी परीक्षा की घड़ी थी, जिसे निर्णायकों ने अपनी सूक्ष्म दृष्टि से जांचा। जिस-जिस ने ताली बजाई और उछल कूद की, उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और जिस-जिस ने नेताजी को पकड़कर कूटा, उन्हें अलग से खड़ा कर दिया गया। वे सेमी फाइनल में प्रवेश कर चुके थे। इससे अगले राउंड में प्रतिभागियों को नेताजी की महिमा में चार पंक्तियां लिखनी थी। जिस-जिस ने भी लिख दी, वे भी प्रतियोगिता से बाहर कर दिए गए। चापलूसी, चाटुकारिता और चमचागिरी जिंदा आदमी के लिए विष के समान समझी गई। मोहल्ला अभी भी आशावादी था कि उनके बीच कुछ जिंदा लोग तो जरूर पाए जाएंगे। सो प्रतियोगिता जारी रही- लोगों का चलना देखा गया, उनका सांस लेना देखा गया, उनका पानी पीना, उनका हंसना-रोना देखा गया, लेकिन मोहल्ले को फिर भी एक संपूर्ण जिंदा आदमी नहीं मिला। जो मुर्दनी उस मोहल्ले में सदियों से थी, वह और छा गई। रुदालियां रोने की तैयारियां करने लगी। शहनाई वादक को खबर कर दी गई। सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे। यह खूनी उत्सव पूरी रात चलता रहा। सुबह हुई तो देखा कि वह एकमात्र जिंदा आदमी भी मर चुका था।

संवेदनाओं का पारदर्शी दर्पण है काव्य संग्रह 'अभिव्यक्ति'

पुस्तक : अभिव्यक्ति
कवयित्री : डॉ. पूनम भारद्वाज
मूल्य : 240 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेन्द्र कुमार

साहित्य की अविरल धारा में कविता वह दर्पण है, जिसमें समाज अपनी संवेदनाओं, संघर्षों और स्वप्नों का चेहरा देखता है। आधुनिक हिंदी साहित्य के परिदृश्य में डॉ. पूनम भारद्वाज का काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' एक ऐसी ही सशक्त उपस्थिति है, जो अपनी वैचारिक गहराई और भावपूर्ण प्रस्तुति से पाठक के हृदय पर अमिट छाप छोड़ने में समर्थ है। यह कृति केवल शब्दों का विन्यास नहीं, बल्कि एक स्त्री के अंतर्मन की गूंज, सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का एक गंभीर प्रयास है।

डॉ. भारद्वाज की कविताएं जीवन के उस यथार्थ से रूबरू कराती हैं, जिसे हम अकसर अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में अनदेखा कर देते हैं। उनकी शैली में जहां एक ओर कोमलता है, वहीं दूसरी ओर ज्वलंत मुद्दों पर एक निर्भीक स्पष्टता भी दिखाई देती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुआयामी प्रकृति है। कवयित्री ने प्रेम, प्रकृति, आध्यात्मिकता और स्त्री-विमर्श जैसे विषयों को बहुत ही सूक्ष्मता से अपनी लेखनी में पिरोया है। उनकी कविताओं में एक प्रवाह है, जो पाठक को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। 'अभिव्यक्ति' की पंक्तियों में छिपी गहरी दार्शनिकता पाठक को आत्मचिंतन के लिए विवश करती है। संग्रह का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष स्त्री-चेतना और उसकी अस्मिता का प्रश्न है। कवयित्री ने अपनी कविताओं के माध्यम से स्त्री के अंतर्द्वंद्व और उसकी शक्ति को बहुत ही प्रभावी ढंग से मुखर किया है। वे स्त्री को केवल त्याग की मूर्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि एक स्वाभिमानी और स्वतंत्र चेतना के रूप में प्रतिष्ठित करती हैं। आध्यात्मिक स्तर पर भी यह संग्रह काफी समृद्ध है। भक्ति और आस्था उनके काव्य में अंधविश्वास के रूप में नहीं, बल्कि एक आंतरिक शक्ति के रूप में प्रवाहित होती है। वे ईश्वर को मंदिर या मस्जिदों के बजाय मनुष्य के भीतर और उसकी सेवा में खोजने का संदेश देती हैं। उनकी आध्यात्मिक चेतना लोक-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है। काव्य-शिल्प की दृष्टि से देखें तो 'अभिव्यक्ति' की भाषा सरल, सहज और प्रवाहमयी है। क्लिष्ट शब्दों के बजाय उन्होंने ऐसे शब्दों का चयन किया है जो सीधे पाठक के संवाद स्थापित करते हैं। उपमाओं और प्रतीकों का प्रयोग बहुत ही सटीक और प्रभावशाली ढंग से किया गया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि डॉ. पूनम भारद्वाज ने इस संग्रह के माध्यम से हिंदी कविता की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया है। 'अभिव्यक्ति' नाम सार्थक सिद्ध होता है क्योंकि यह केवल कवयित्री की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की आवाज़ बन जाती है जो जीवन को गहराई से महसूस करता है। इस संग्रह की एक और कविता की ये पंक्तियां मन को गहराई तक छू जाती हैं :

'रिश्तों की डोर बड़ी कच्ची है,पर विश्वास की नींव अगर सच्ची है,
तो तूफानों में भी दीये जलेंगे, क्योंकि नियत हमारी अच्छी है।'

अंततः, डॉ. पूनम भारद्वाज का यह काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' हिंदी साहित्य की एक अनमोल निधि है। यह पुस्तक उन सभी के लिए पठनीय है जो कविता में सत्य, शिव और सुंदर की खोज करते हैं। यह संग्रह हमें यह विश्वास दिलाता है कि जब तक शब्द जीवित हैं और कवियों की लेखनी सक्रिय है, तब तक मानवीय संवेदनाओं का दीप प्रज्ज्वलित रहेगा। डॉ. भारद्वाज की यह कृति न केवल उनके काव्य-कौशल का प्रमाण है, बल्कि उनके संवेदनशील व्यक्तित्व का प्रतिबिंब भी है। यह काव्य-यात्रा पाठकों के मन में एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करती है, जो साहित्य की वास्तविक सार्थकता है।

खबर संक्षेप

शहर में गूंजे राधे नाम के जयकारे

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 184वीं प्रभात फेरी निकाली गई। चैत्र मास के पावन अवसर पर आयोजित इस प्रभात फेरी के यजमान कपिल सोनी, राधे देवी परिवार के सभी सदस्य थे। संगठन के संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि फेरी मिश्रवाड़ा, कांचा वाला मंदिर, छोटा बड़ा तालाब होते हुए मुख्य यजमान के निवास पर संपन्न हुई। इससे पूर्व ठाकुर जी एवं युगल सरकार की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाकर फेरी का शुभारंभ किया गया।

सावित्री बाई फांउडेशन ने मनाया महिला दिवस

नारनौल। सावित्री बाई ज्योतिबा फुले फांउडेशन व राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सभा का आयोजन डॉ. भीमराव अम्बेडकर भवन में किया। सभा की अध्यक्षता पूनम सिंह बौद्ध ने की। संचालन ममता ने किया। सभा को संबोधित करते हुए पूनम सिंह बौद्ध ने कहा कि आज देश व दुनिया तेजी से विकसित हो रही है और इस विकास में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सभा में मंजू देवी, रमेश देवी, समाकोर, निशा देवी, माया देवी, सरोज, मुस्कान, हुक्मचंद थानेदार, कामरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट, सुरेश कुमार मितल आदि मौजूद थे।

आईटीआई में मनाया महिला दिवस

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महिला में हरियाणा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग की ओर जारी दिशानिर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके अधिकारों व समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की गई। संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद कुमार खनगवाल ने कहा कि हर साल आठ मार्च का दिन महिलाओं की उपलब्धियों को सराहने व उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है। इस अवसर पर छात्राओं के बीच भाषण व निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम कुमकुम, द्वितीय रहीम व तृतीय स्थान पर गोपाल राय रहे। संस्थान के एनसीसी प्रभारी मेजर वीरेंद्र कुमार सेकवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जल जीवन मिशन में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

महिलाओं का समाज में अहम् योगदानः मुकेश

विश्व महिला दिवस पर 20 महिलाएं सम्मानित

महिलाओं ने पेयजल संरक्षण में किए कार्यों की साझा की कहानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से आठ से 22 मार्च तक जल महोत्सव पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसकी शुरूआत रविवार को अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर की गई। इस अवसर पर जिला महेंद्रगढ़ के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की टीम द्वारा पेयजल क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए गए। नारनौल के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कार्यालय, महेंद्रगढ़ के आकोदा व कनीना के रसूलपुर में यह कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में पेयजल संरक्षण, जल जीवन मिशन तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली 20 महिलाओं को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उपमंडल अभियंता मुकेश शर्मा व जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में खंड समन्वयक इंद्रजीत, अशोक कुमार, नीशु, महावीर, राजू, बीआरसी अनीता, पूजा, मोहित, धर्मेंद्र, विक्रम सिंह सहित स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, महिला पंच एवं महिला सरपंच उपस्थित रही। इस अवसर पर मुकेश शर्मा ने कहा कि महिलाओं का समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। महिलाओं के संघर्ष, उनके अधिकारों और समाज में उनके योगदान को स्मरण करने के लिए प्रत्येक वर्ष आठ मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया जाता है। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने कहा कि जल जीवन मिशन में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

नारनौल। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाली महिलाएं व अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

अनुभव साझा किए

इस मौके पर बीआरसी नीशु, अनीता, पूजा सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, महिला पंचों व महिला सरपंचों ने पेयजल संरक्षण में किए गए अपने कार्यों के अनुभव साझा किए।

22 मार्च तक मनाया जाएगा जल महोत्सव

जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि यह जल महोत्सव पूरे देश में मनाया जा रहा है। जिसकी शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के नवसारी से की। जिले में भी यह जल महोत्सव पखवाड़ा 22 मार्च तक मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिनमें प्लंबर दिवस, जल अर्पण दिवस, नलकूप चालक दिवस, जल गुणवत्ता संबंधी प्रशिक्षण, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सदस्यों को पेयजल आपूर्ति के संचालन व रखरखाव का प्रशिक्षण आदि शामिल हैं। 22 मार्च को विश्व जल दिवस के अवसर पर इस पखवाड़े का समापन किया जाएगा। जल महोत्सव मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना तथा जनभागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि सामुदायिक सहयोग से प्रत्येक पेयजल स्रोत के संरक्षण की जिम्मेदारी आमजन स्वयं महसूस करें।

नांगल चौधरी। युवाओं को नशा रोकथाम की शपथ दिलाते डॉ. गजेसिंह चोपड़ा।

सामाजिक विकास में योगदान नागरिकों का नैतिक दायित्वः डॉ. गजेसिंह

नांगल चौधरी। सिलारपुर गांव के महात्मा राधेश्याम की धर्मशाला में 18वें आर्य समाज सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने युवाओं को मानसिकता में सदाचार तथा नैतिकता का समावेश करके सामाजिक विकास में योगदान देने का संदेश दिया। जिससे राष्ट्र की संपन्नता व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो पाएगी। इस दौरान युवाओं को नशाखोरी पर अंकुश लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण करने की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि समाज व्यवस्था पर ही राष्ट्र की मजबूती निर्भर करती है, लेकिन बीते कुछ दशकों से समाज में पश्चिमी देशों की संस्कृति का प्रभाव बढ़ गया, जिस कारण अपराधिक वारदातें बढ़ने के साथ स्वदेशी संस्कृति को नुकसान हो रहा है। बचाव के लिए आर्य समाज द्वारा लगाए जा रहे सम्मेलन उपयुक्त हैं, क्योंकि सम्मेलनों में भारतीय संस्कृति की विरासत को दैनिक जीवनशैली में समावेश करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आर्य समाज कमेटी को नशे के खिलाफ सघनता से अभियान चलाने का आह्वान किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने मातृ शक्ति को किया नमन

- महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और स्वावलंबन ही एक सशक्त राष्ट्र की असली आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

- महिलाओं के सम्मान के बिना किसी भी समाज या देश की प्रगति संभव नहीं

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेश की समस्त मातृशक्ति को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और स्वावलंबन ही एक सशक्त राष्ट्र की असली आधारशिला है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के बिना किसी भी समाज या देश की प्रगति संभव नहीं है। इस दिशा में केंद्र तथा हरियाणा सरकार लगातार कार्य कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आज की महिलाएं अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, विज्ञान, खेल और राजनीति जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। आरती सिंह राव ने कहा कि महिलाओं की उन्नति से ही समाज का समग्र विकास जुड़ा हैं। उन्होंने समाज के प्रति महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि दादी, मां, बहन, पत्नी और बेटी के रूप में वे अपने स्नेह और त्याग से समाज को संवारने का कार्य करती हैं। सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' और सुकन्या समृद्धि योजना' जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाएं प्रभावी ढंग से चला रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मुद्रा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से महिलाओं के स्वास्थ्य और आर्थिक स्वावलंबन में क्रांतिकारी सुधार आए हैं।

कन्या जन्म पर किया कुआं पूजन

नारनौल। महिला दिवस के अवसर पर जोरासी गांव स्थित आंबेडकर कॉलोनी में दीपिका पत्नी ललित कुमार के घर पर पुत्री के कुआं पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दें कि 23 जनवरी को इनके घर आंगन में पुत्री का जन्म हुआ था। जिसके चलते रविवार को महिला दिवस पर कुआं पूजन किया गया। समाज की सोच को परिवर्तित करने के लिए यह सराहनीय कदम है। कन्या के दादा बलबीर सिंह व दादी सुरेश देवी ने बेटों के समान बेटी का भी कुआं पूजन कर मिसाल पेश की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग ग्रामीण की ओर से सुपरवाइजर सुमनलता व आंगनबाड़ी वर्कर स्नेहलता ने परिवार को सम्मानित किया।

किसी भी व्यक्ति की उन्नति में महिला का बड़ा योगदानः शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास ने कहा कि किसी भी पुरुष की सफलता और उन्नति के पीछे महिलाओं का बहुत बड़ा सहयोग होता है। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में ऊंचे मुकाम तक पहुंचने में उनकी पत्नी, माता और बहनों की प्रेरणा व सहयोग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि ऋषि-मुनियों की भूमि भारत में महिलाओं को सदैव उच्च स्थान प्राप्त रहा है। जिस परिवार में महिलाएं सुख और सम्मान के साथ जीवन यापन करती हैं, वह परिवार समृद्ध, शक्तिशाली और निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रहता है। प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि महिला शक्ति हमारे समाज की वास्तविक ताकत है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी काबिलियत के दम पर आगे बढ़ रही हैं और देश की उन्नति व समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कनीना। बाबा राधे दास आश्रम तथा बुचावास में महंत लक्ष्मण गिरी विकलांग गोशाला में जनशक्ति विकास संगठन के की ओर से फल फूल व छायादार पौधे लगाकर आमजन को सुरक्षित पर्यावरण का संदेश दिया। संगठन के संचालक दीपक वशिष्ठ ने कहा कि जिलेभर में फूलदार पौधे लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। राधे दास आश्रम के संचालक बाबा राजेश दास व महंत लक्ष्मण गिरी गोशाला के संचालक महंत विठ्ठल गिरी ने कहा कि पौधे पृथ्वी का श्रृंगार हैं। जितने अधिक पौधे होंगे, उतनी पृथ्वी समृद्धशाली होगी। इस मौके पर महंत विष्णु गिरी, संगठन के सदस्य अमित कुमार, सुरेश वशिष्ठ, मनीषा यादव, सुनील कुमार, रामसिंह, गुरुचरण गुप्ता, निर्मला, शर्मिला, नव्या, कृष्णा, शिवम आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

बीआर स्कूल में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण और समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय चेयरमैन हरिश भारद्वाज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने की। कार्यक्रम की शुरुआत विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा वंदना से की गई। कार्यक्रम का संचालन दीपा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण विषय पर भाषण, कविता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं के योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यालय की महिला शिक्षिकाओं के उत्कृष्ट कार्य और समर्पण को सराहते हुए उन्हें सम्मानित भी किया गया। चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि महिलाएं समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनके बिना किसी भी समाज का विकास संभव नहीं है।

एमआर स्कूल अटेली में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित, विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर लिया भाग

नारनौल। अटेली स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यह परीक्षा कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। विद्यार्थियों को उनकी कक्षा अनुसार सभी विषयों को मिलाकर एक प्रश्न पत्र दिया गया, जिससे विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा का पता चल सके। विद्यालय के चेयरमैन सियाराम यादव ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने इस स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लिया है उनको प्राप्त अंकों के आधार पर फीस में विशेष छूट दी जाएगी। इस परीक्षा के दौरान 1147 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा से न केवल विद्यार्थी की रूचि प्रदर्शित होती है, बल्कि उसकी बुद्धि का आकलन भी होता है। उन्होंने कहा कि स्कूल में आकाश की फैकल्टी की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि अब आकाश कोचिंग की फ्रेंचाइजी एमआर स्कूल के पास ही है, जिसका लाभ विद्यार्थी स्कूल कैंपस में भी उठाएंगे।

आरपीएस कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वूमेन सेल द्वारा एक भव्य और अत्यंत सफल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राध्यापिकाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के अतुलनीय योगदान से उन्हें अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान कई ज्ञानवर्धक और रोचक प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव और सीईओ मनीष राव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं, बल्कि छात्राओं को विज्ञान, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में निडर होकर अपने कदम आगे बढ़ाने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संघीवाड़ा में 51 कुंडीय हवन का आयोजन

नारनौल। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आर्य समाज मोहल्ला संघीवाड़ा में आर्य समाज की महिला प्रधान अरुणा जांगड़ा के नेतृत्व में 51 कुंडीय हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव तथा उनकी पत्नी सुमन यादव ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर इस प्रकार का धार्मिक आयोजन होना अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज हमेशा से ही नारी शिक्षा, सशक्तिकरण और समानता का समर्थक रहा है। वेदों के अनुसार जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। हवन यज्ञ के दौरान सुमन यादव ने कहा कि हवन यज्ञ से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि देवी देवता भी प्रसन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की सफलता में महिलाओं की अहम भूमिका होती है। महिलाओं को घर संभालने के साथ साथ सप्ताह में एक बार अपने घर में हवन अवश्य करना चाहिए। नगर परिषद अध्यक्ष कमलेश सैनी ने कहा कि वे अपने आपको भाग्यशाली समझती हैं कि उन्हें महिला दिवस पर आयोजित इस 51 कुंडीय हवन यज्ञ में शामिल होने का अवसर मिला।

पटीकरा गांव में आयोजित खेत दिवस कार्यक्रम में उमड़े किसान

सरकार फसल विविधीकरण पर कर रही फोकसः डॉ. सैनी

- आलू की उन्नत किस्म चिप्सोना 1, चिप्सोना 3 व कुफरी उदय का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव पटीकरा में रविवार को प्रगतिशील किसान विनोद पुत्र धर्मपाल सिंह के खेत पर आलू की फसल को लेकर एक विशाल खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 300 से अधिक किसानों ने भाग लेकर आलू की आधुनिक खेती, नई किस्मों व आलू आधारित उद्योगों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर हरियाणा बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अर्जुन सिंह सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में किसानों को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को वैज्ञानिक तरीके अपनाने और फसलों के विविधीकरण के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया और बताया कि यदि किसान सही तकनीक का चुनाव करें, तो वे कम लागत में बेहतर लाभ कमा सकते हैं। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने भी किसानों का मार्गदर्शन किया।

नारनौल। आलू की फसल का अवलोकन करते अध्यक्ष डॉ. अर्जुन सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

डॉ. क्रूज ने बिछाई वाली तकनीक के बारे में बताया

दक्षिण अमेरिका से आए कृषि विशेषज्ञ डॉ. जान क्रूज ने बिना जुताई और पराली की बिछाई वाली तकनीक के बारे में बताया। जिससे लागत कम और उत्पादन अधिक होता है। खेत में आलू की विभिन्न उन्नत किस्मों जैसे चिप्सोना 1, चिप्सोना 3 व कुफरी उदय का प्रदर्शन भी किया गया।

यहां की मिट्टी आलू के लिए बहुत उपजाऊ

कार्यक्रम में देश की कई बड़ी आलू प्रसंस्करण कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि यहां की मिट्टी आलू के लिए बहुत उपजाऊ है और यहां आलू में लगने वाली आम बीमारियां जैसे पपड़ी रोग व जड़ सड़न बहुत कम पाई जाती हैं।

नई किस्म की खेती से प्रति एकड़ लगभग 360 बोरी आलू की पैदावार प्राप्त कीः किसान

किसान विनोद ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने नई किस्म की खेती से प्रति एकड़ लगभग 360 बोरी आलू की पैदावार प्राप्त की है। अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों और विशेषज्ञों ने किसानों को पारंपरिक खेती के साथ बाजार की मांग के अनुसार आधुनिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में आलू की ऐसी किस्मों को बढ़ावा देना था। जिनका उपयोग चिप्स और फ्रेंच फ्राइज जैसे उत्पाद बनाने में किया जा सके। जिससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी हो सके।

महिला दिवस पर सरकार ने दी गृहिणियों को महंगाईः डॉ. राजवती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

केंद्र सरकार की ओर से घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपये की बढ़ोतरी के विरोध में महिला कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डॉ. राजवती यादव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें महिला कांग्रेस के पद अधिकारी व आम महिलाएं शामिल हुई।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। रसोई गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपये की बढ़ोतरी से आम घरों की रसोई पर सीधा असर पड़ा है, जिससे खासकर गृहिणियों की परेशानियां और बढ़ गई हैं।

इस अवसर पर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डॉ. राजवती यादव ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर सरकार ने देश की गृहिणियों को महंगाई का जो तोहफा दिया है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पहले से ही बढ़ती महंगाई से लोग परेशान हैं और अब गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर सरकार ने रसोई का बजट और बिगाड़ दिया है। यह आम परिवारों के साथ अन्याय है।

महिला कांग्रेस इसकी कड़ी निंदा करती है और सरकार से मांग करती है कि गैस सिलेंडर के बढ़े हुए दाम तुरंत वापस लिए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही बढ़े हुए दाम वापस नहीं लिए, तो महिला कांग्रेस जनता के साथ मिलकर बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस मौके पर ममता, माया, मायावती, रीना, नीतू व सुमन आदि उपस्थित रही।

नारनौल। महिला दिवस पर प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

प्राणपुरा में किया श्रीश्याम बाबा का जागरण

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में मनीष सैनी के निवास स्थान मोहल्ला प्राणपुरा में श्रीश्याम बाबा का जागरण किया गया। जिसके मुख्य यजमान सन्तोष देवी सैनी व उनका परिवार रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। मंडल प्रवक्ता हेमंत गुप्ता ने बताया कि आचार्य मनीष कौशिक ने यजमान मनीष सैनी व मनीषा सैनी से परिवार सहित मंत्रोच्चार के बाद बाबा की पवित्र ज्योति प्रज्वलित करवाई। सुनील कुमार ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मनोज वालिया, सुरेश सोनी, संतोष देवी, मनीष सैनी, पार्थ सैनी, उमेश, अनु, एकलव्य, दक्ष, सुनील, पूनम, गर्वित, जीवांश, हरिनारायण महाराज आदि उपस्थित रहे।

शिविर में 40 जरूरतमंदों ने उठाया लाभ

कनीना। लाला शिवलाल की धर्मशाला में रविवार को सामाजिक संस्था सेवा भारती की ओर से आयोजित किए गए स्वास्थ्य जांच शिविर में 40 जरूरतमंद नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। इस शिविर में रेवाड़ी के निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने सेवाएं दी। जिसमें ईसीजी, बीपी व शुगर की जांच कर परामर्श भी दिया गया। शिवकुमार अग्रवाल व योगेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर में डॉ. आसिफ रहमान, डॉ. हर्ष ने मरीजों की जांच कर दवा वितरित की। इस मौके पर प्रताप यादव, सुरेश शर्मा, जगदीश गुप्ता, श्यामसुंदर, दिनेश कुमार, वेदप्रकाश शर्मा, अमित आदि उपस्थित थे।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत मंडल महेंद्रगढ़ में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यशाला में वक्ता के रूप में जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, नरेंद्र यादव सुजापुर, अजीत सिंह कलवाड़ी, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, शंकर सिंह धूपड़, संदीप मालड़ा व रमेश तंवर मौजूद रहे। मंडल प्रशिक्षण कार्यशाला में विधायक पुत्र राहुल यादव मौजूद रहे।

सर्व समाज मंच का हुआ सम्मान समारोह

मंडी अटेली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सर्व समाज मंच द्वारा आयोजित संस्कृति एवं सम्मान समारोह में सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को 'नारी गौरव' सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली की प्राचार्य कुसुमलता ने की। मंच संचालन रिटायर्ड टीचर सीएस वर्मा प्रभाकर ने किया। कार्यक्रम संयोजक मास्टर रामसिंह ने कहा कि नारी समाज की धुरी है, जिस पर समाज का ढांचा टिका हुआ है।

स्वास्थ्य के लिए घातल, फिर भी सिगरेट की कालाबाजारी छोटे सप्लायर और दुकानदार कर रहे 'ब्लैक मार्केटिंग'

- एक अप्रैल से लागू होना है बजट, लेकिन दो महीने पहले ही बढ़ा दिए गए सिगरेट के दाम
- गोल्ड फ्लैक की सभी टैक्स लागू करने उपरांत 10 रुपये वाली एक सिगरेट बेची जा रही 15 रुपये में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

केंद्रीय बजट पेश होने के बाद जिले में सिगरेट की कीमतों को लेकर अजीब स्थिति बन गई है। जहां एक ओर सरकार द्वारा बजट को एक अप्रैल 2026 से लागू किए जाने की बात कही गई है, वहीं दूसरी ओर जिले में छोटे सप्लायरों और दुकानदारों ने अभी से सिगरेट के दाम बढ़ाकर जमकर ब्लैक मार्केटिंग की जा रही है। हालत यह है कि दुकानदार मनमाने दाम वसूल कर रहे हैं और ग्राहक मजबूरी में महंगी सिगरेट खरीदने को विवश हो रहे हैं।

नारनौल। सिगरेट की डिब्बी पर पूरी डिब्बी व एक सिगरेट के छपे रेट। फोटो : हरिभूमि

जानकारी के अनुसार केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गत एक फरवरी को संसद में बजट पेश किया था। बजट में तंबाकू उत्पादों पर टैक्स को लेकर चर्चा के बाद से ही बाजार में सिगरेट की कीमतें बढ़ने लगीं। जिले में दुकानदारों ने बजट पेश होने के तुरंत बाद ही सिगरेट के दाम बढ़ा दिए, जबकि आधिकारिक रूप से नई दरें अभी लागू ही नहीं हुई हैं। बताया जा रहा है कि पहले गोल्ड फ्लैक सिगरेट की 95 रुपये वाली डिब्बी दुकानदार 100 रुपये में बेचते थे। वहीं एक सिगरेट की कीमत करीब साढ़े नौ रुपये पड़ती थी, लेकिन ग्राहक से सीधे 10 रुपये वसूले जाते थे। बजट पेश करने के तीसरे दिन बाद यानी चार फरवरी से दुकानदारों ने 10 रुपये वाली सिगरेट को 12 रुपये में बेचना शुरू कर दिया था। इसके बाद कुछ ही दिनों में कीमतें और बढ़ा दी गईं और अब वही सिगरेट 15 रुपये की बेची जा रही है। ग्राहकों द्वारा जब दुकानदारों से अधिक कीमत लेने को लेकर सवाल किया जाता है तो ज्यादातर दुकानदार यही जवाब देते हैं कि उन्हें आगे से ही महंगी सिगरेट मिल रही है। हालांकि जब बड़े सप्लायरों और एजेंसी संचालकों से इस बारे में बातचीत की गई तो उनका कहना है कि पहले सिगरेट पर सेस लगाया जाता था, जबकि अब इसे जीएसटी के दायरे में लाया गया है। इसी कारण कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है।

जानकारों का कहना है कि इस स्थिति का फायदा उठाकर छोटे सप्लायर और दुकानदार मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। वे ग्राहकों को यह कहकर गुमराह कर रहे हैं कि सरकार ने टैक्स बढ़ा दिया है। जिला महेंद्रगढ़ में सिगरेट की खपत भी काफी अधिक बताई जाती है। यहां के बाजारों और ग्रामीण क्षेत्रों में सिगरेट पीने वालों की संख्या बड़ी है।

सिगरेट की होती है काफी खपत बिना बिल के भी करते हैं सप्लाई

जानकार बताते हैं कि कई बार ऐसे रास्तों से बिना उचित बिल के सिगरेट की खेप लाई जाती है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान भी होता है। वहीं दूसरी ओर दुकानदार इन सिगरेटों को बाजार में मनमाने दामों पर बेचकर अतिरिक्त कमाई करते हैं। प्रशासन की ओर से इस पर अभी तक कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई है। ग्राहकों का कहना है कि सिगरेट पहले ही महंगी होती जा रही है और अब दुकानदारों द्वारा की जा रही ब्लैक मार्केटिंग से उन्हें और अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। कई लोगों ने प्रशासन से इस मामले में जांच कर कार्रवाई की मांग भी की है, ताकि बाजार में मनमाने दाम वसूलने पर रोक लगाई जा सके।

स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है सिगरेट

डॉक्टरों के अनुसार सिगरेट पीना स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक है। सिगरेट के धुएं में मौजूद निकोटिन और अन्य जहरीले तत्व शरीर के कई अंगों को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक सिगरेट पीने से फेफड़ों के रोग, हृदय रोग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं में सिगरेट की बढ़ती लत चिंता का विषय है। स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर लोगों को तंबाकू उत्पादों से दूर रहने के लिए जागरूक भी करता है, लेकिन इसके बावजूद धूम्रपान करने वालों की संख्या कम नहीं हो रही। ऐसे में जरूरी है कि लोग अपनी सेहत को ध्यान में रखते हुए सिगरेट से दूरी बनाएं।

भव्य कार्यक्रम में शिक्षा व समाजसेवा से जुड़ी महिलाओं को किया सम्मानित

महिला दिवस : महिलाओं के अधिकार और सशक्तीकरण पर मंथन जरूरी

समाज की प्रगति महिलाओं की भागीदारी और सम्मान पर निर्भर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से नारी शक्ति के सम्मान में भव्य कार्यक्रम प्रगति नारी शक्ति सम्मान का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा, समाजसेवा तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हुए महिला सशक्तिकरण और अधिकारों पर सार्थक चर्चा की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा व ट्रस्टी दिनेश शर्मा ने बताया कि इस वर्ष महिला दिवस का विषय अधिकार व न्याय के साथ महिलाओं का सशक्तिकरण रखा गया।

उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं की भागीदारी और सम्मान पर निर्भर करती है। कार्यक्रम का संचालन ओशिन शुक्ला साक्षी ने किया। कार्यक्रम संयोजक रवीना सोनी व नरोत्तम सोनी ने बताया कि महिला दिवस पर आयोजित इस समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को आमंत्रित किया गया, ताकि महिलाओं के अधिकारों व उनकी उपलब्धियों को समाज के सामने प्रमुखता से रखा जा सके। समारोह में पाल्हावास स्कूल की प्राचार्या शोभा भारद्वाज, विद्या भारती स्कूल की निर्देशिका उषा यादव, नगर परिषद की पूर्व अध्यक्ष भारती सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही।

उन्होंने कहा कि आज की महिला शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा और सामाजिक क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रही है। कार्यक्रम में समाजसेवी विजय गोस्वामी, डॉ. सुरेंद्र मित्तल, हरियाणा स्कूल संचालक संगीता शर्मा, विपिन शर्माए डॉ. मेघा मित्तल संवेदना अस्पताल, डॉ. पूजा जांगिड़ एसएस अस्पताल विशिष्ट अतिथि रहे। ट्रस्टी भीमसेन शर्मा व राकेश कुमार ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। लोक कलाकार रूबिया भारती ने लोक गीत प्रस्तुत किए, शिक्षक धर्मसिंह व विजय भार्गव ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों व प्रेरणादायी विचारों के माध्यम से महिला सम्मान, समानता व सामाजिक सहयोग का संदेश दिया।

नारनौल। कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में विजय गोस्वामी, दिनेश शर्मा, कौशल शर्मा, हरिकिशन गौड़, ईश्वर सिंह यादव, प्राचार्य दलजीत शास्त्री, हितेश गौड़, बाबूलाल शिक्षक, गौतम मिगलानी, बंसीलाल ट्रस्टी, ओसियन शुक्ला, दिनेश शर्मा, सुरेश शर्मा शास्त्री नगर, बनवारी लाल एडवोकेट, कर्मवीर यादव, विजय भार्गव, धर्मसिंह, मुरारीलाल शर्मा, राकेश शर्मा, भीमसेन, नरोत्तम सोनी, रवीना सोनी, अमीचंद सैनी, हनी गुप्ता, धीरज मयाना, हितेंद्र बोहरा, पवन अरोड़ा, सुनील चुघ, देव शर्मा, मीना शर्मा आदि उपस्थित रहे।

यह हुए सम्मानित

अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा और ट्रस्टी देव शर्मा ने बताया कि प्रगति नारी शक्ति सम्मान समारोह में क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाली 21 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इनमें प्राचार्य प्रोमिला यादव, प्राचार्या सीमा यादव, शिक्षिका अंजू शर्मा जांगिड़, समाजसेवी सरोज कश्यप, तृप्ति सैनी, मनीषा सोलंकी, राधिका, नीलम शर्मा, प्रो. गीता यादव, उषा यादव, संगीता यादव, कुसुम निर्मल, भारती सैनी, मेघा मित्तल, सीमा यादव प्राचार्या, नंदिनी यादव, कशिश सिंघल, रोहिना शर्मा शामिल है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बवानिया में हुई महिला पशुपालक गोष्ठी

महेंद्रगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार के विस्तार शिक्षा निदेशालय के मार्गदर्शन में हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र रिवासा द्वारा गांव बवानिया में महिला पशुपालक गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से 150 से अधिक महिला पशुपालकों ने भाग लिया और वैज्ञानिकों से पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि ब्लॉक समिति चेयरपर्सन विजय लक्ष्मी उपस्थित रही, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप डॉ. रमेश यादव, सरपंच गांव बवानिया की पूजा यादव तथा एसडीओ कृषि महेंद्रगढ़ डॉ. अजय यादव उपस्थित रहे। इस दौरान विशेषज्ञ के रूप में हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र रिवासा के डॉ. राजेंद्र यादव एवं डॉ. अमित सांगवान, डॉ. मनोज कुमार तथा डॉ. नरेंद्र यादव, डॉ. अशोक ढिल्लो ने महिलाओं को पशुपालन, डेयरी और कृषि से संबंधित विभिन्न विषय पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने दूध उत्पादन बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीके, पशुओं का स्वास्थ्य प्रबंधन, टीकाकरण एवं रोग नियंत्रण तथा दुग्ध प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के माध्यम से आय बढ़ाने के उपायों पर उपयोगी जानकारी साझा की।

विजेताओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित: कार्यक्रम के दौरान आयोजित डेयरी विषय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में महिलाओं ने भाग लिया तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली सुनीता यादव राष्ट्रीय इनोवेटिव अवॉर्डी एवं अन्य महिलाओं को भी सम्मानित किया गया, जिससे अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले। मुख्यातिथि विजय लक्ष्मी खोथ्या ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं पशुपालन और डेयरी क्षेत्र की रीढ़ हैं तथा ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को नई जानकारी और आत्मविश्वास प्रदान करते हैं।

हाउसिंग बोर्ड वेलफेयर एसोसिएशन हुई बैठक

महेंद्रगढ़। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सिसोठ में हाउसिंग बोर्ड रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान शमशेर सिंह व संचालन कमेटी सचिव मास्टर नित्यानंद ने किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सफाई व्यवस्था करवाना, सीवरेज व्यवस्था ठीक करने, खराब स्ट्रीट लाइट को ठीक करवाना रहा। प्रधान शमशेर सिंह व सचिव नित्यानंद मास्टर ने बताया कि कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट, पानी व्यवस्था, सीवरेज एवं स्ट्रीट लाइट की समस्या का समाधान करने बारे विचार विमर्श किया। प्रधान शमशेर सिंह यादव ने बताया कि बिजली बिल बिना किसी रीडिंग के आया है, उसके लिए बिजली विभाग के एसडीओ से मिलकर बिजली बिल को ठीक करवाकर इसका स्थाई समाधान करवाने के लिए प्रर्थना पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष शिवलाल, गोपीचंद यादव, सूबेदार सतबीर, मुकेश चौहान, संजय यादव, नरेंद्र दरोगा, राकेश मास्टर, पप्पू बिजली मिस्त्री आदि उपस्थित रहे।

चिकित्सकों को किया सम्मानित

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से हुआ सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस के अवसर पर मौखिक स्वास्थ्य व स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। ट्रस्टी भीमसेन शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर समाज में दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने व लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में योगदान देने वाले दंत चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा के नेतृत्व में बालाजी डेंटल अस्पताल के संचालक डॉ. गजराज यादव, चौधरी डेंटल अस्पताल के संचालक डॉ. करण चौधरी व नागरिक अस्पताल के दंत चिकित्सक डॉ. विकास कुमार को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस दंत चिकित्सकों और दंत चिकित्सा से जुड़े पेशेवरों के योगदान को सम्मान देने का दिन है। ट्रस्टी नरोत्तम सोनी ने कहा कि समाज में दंत स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना बेहद आवश्यक है। शिक्षाविद् डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि जब किसी व्यक्ति के कर्तव्यनिष्ठ कार्यों की समाज द्वारा सराहना की जाती है। रमेश सैनी ने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में भाजपा नेता रमेश सैनी, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष भीमसेन शर्मा, नरोत्तम सोनी, डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, डॉ. संजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। चिकित्सकों को सम्मानित करते ट्रस्ट पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

जगबीर जौहरी को सब इंस्पेक्टर बनने पर दी बधाई

नारनौल। नांगल चौधरी के लाल एवं हरियाणा पुलिस के जिला फरीदाबाद में बतौर एएसआई सेवाएं दे रहे जगबीर जौहरी को सब इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नत किया गया है। फरीदाबाद के डीसीपी हैड क्वार्टर आईपीएस अभिषेक जोरवाल ने जगबीर जौहरी के कंधों पर एक और स्टार लगाकर नए रैंक से नवाजा। वहीं फरीदाबाद पुलिस आयुक्त सत्येंद्र गुप्ता ने जगबीर सिंह को उनकी मेहनत, अनुशासन व ईमानदारी के फलस्वरूप मिले इस प्रमोशन पर बधाई दी। नांगल चौधरी के प्रमुख ज्वैलर्स गिरिराज जौहरी के पुत्र एवं क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार दलबीर जौहरी के छोटे भाई जगबीर सिंह अपनी ड्यूटी के प्रति समर्पण व अनुशासन के लिए जाने जाते हैं। हरियाणा पुलिस में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के चलते उन्हें यह महत्वपूर्ण पदोन्नति मिली है। जगबीर के सब इंस्पेक्टर बनने का समाचार पैतृक गांव में मिलने पर परिवारजनों, मित्रों व ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव, हरियाणा विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, पूर्व राजस्व मंत्री कैलाशचंद शर्मा, पूर्व विधायक एवं सेवानिवृत डीईटीसी पंडित राधेश्याम शर्मा, हरियाणा खनिज निगम के पूर्व चेयरमैन सत्यपाल दहिया, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पूर्व चेयरमैन प्रवीण चौधरी, कांग्रेसी नेता चौधरी चन्द्रप्रकाश एडवोकेट, पंचायम समिति चेयरमैन धौली कर्मपाल यादव, नगर पालिका चेयरपर्सन प्रिया सैनी, बाबा मुकुन्ददास गोशाला के प्रधान रमेश सैनी, पूर्व प्रधान रमेश तंवर, भवानीशंकर जोशी समेत सैकड़ों लोगों ने उपनिरीक्षक जगबीर जौहरी के सुनहरे भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वो अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा की भावना के साथ करेंगे।

कुलपति बोले, शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को नई दिशा मिलेगी

हकेंवि और डीएसवीवी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करेंगे दोनों संस्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय डीएसवीवी हरिद्वार के मनोविज्ञान विभाग के बीच शैक्षणिक सहयोग एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों विश्वविद्यालयों के बीच मनोविज्ञान के क्षेत्र में शैक्षणिक आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान तथा संस्थागत सहयोग को प्रोत्साहित करेगा। इस समझौता ज्ञापन के अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार, डीएसवीवी के समकुलपति डॉ. चिन्मय पांड्या, हकेवि के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. पायल कंवर चंदल तथा डीएसवीवी मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि यह समझौता दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषय में ज्ञान के आदान-प्रदान, संयुक्त शोध परियोजनाओं और अकादमिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को व्यापक अवसर प्राप्त होंगे। प्रो. कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि इस एमओयू के माध्यम से दोनों संस्थान शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करेंगे तथा समाजोपयोगी ज्ञान के सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

महेंद्रगढ़। एमओयू हस्तांतरित करते कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार। फोटो : हरिभूमि

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं को मिलेगा बल

डीएसवीवी के समकुलपति डॉ. चिन्मय पांड्या ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान पहलों तथा ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे मनोविज्ञान अध्ययन तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं को बल मिलेगा। इसी क्रम में प्रो. पायल चंदेल ने कहा कि इस समझौते के माध्यम से संयुक्त शोध परियोजनाओं, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा विद्यार्थियों-शोधार्थियों के अकादमिक आदान-प्रदान जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। प्रो. चंदेल ने विश्वास व्यक्त किया कि इस सहयोग से मनोविज्ञान के क्षेत्र में नवीन शोध एवं ज्ञान-विस्तार को गति मिलेगी और विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक अवसर प्राप्त होंगे।

महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल कोरियावास तक लोकल बस चलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में परंपरानुसार इस माह में जन्में जोगेंद्र सिंह चहल, शिवहरि अग्रवाल, सत्यनारायण गुप्ता, गिरधारीलाल दायमा, रामजीलाल मित्तल, पुरूषोत्तम दास और धर्मपाल शर्मा को सम्मान पट्ट पहनाकर सम्मानित किया गया और सभी के स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना की गई।

तदोपरांत बैठक में वरिष्ठ नागरिक शिवलाल वर्मा ने बताया कि हुडा सेक्टर/शहर से कोरियावास स्थित महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तक आने-जाने के लिए कोई लोकल बस सेवा उपलब्ध नहीं है। इसलिए प्रस्ताव पारित कर जिला प्रशासन से अनुरोध किया गया कि मेडिकल कालेज तक लोकल बस सेवा चलाई जाए, ताकि वृद्धजनों के साथ-साथ आमजन को भी कोई असुविधा न हो। इसके साथ-साथ उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा निजी अस्पतालों में वरिष्ठ नागरिकों को ओपीडी शुल्क व सभी जांच शुल्क पर 40 प्रतिशत की रियायत दी हुई है, किन्तु सभी निजी अस्पताल वरिष्ठ नागरिकों से पूरा शुल्क चार्ज करते हैं। इसलिए प्रस्ताव पारित कर जिला प्रशासन से अनुरोध किया गया है।

नारनौल। मीटिंग को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद। फोटो : हरिभूमि

यह हुए सम्मानित

बैठक में विजय सिंह यादव रहीश, शिवलाल वर्मा, अजीत जैन, बीएल सैनी, रोहतास सिंह लाम्बा, सूबेदार दलीप सिंह, शेरसिंह यादव, जसवंत सिंह यादव, सत्यनारायण गुप्ता, बद्री प्रसाद गर्ग, रामजीलाल मित्तल, पुरूषोत्तम दास, एडवोकेट राजकुमार चौधरी, जयप्रकाश कौशिक, उमादत्त शर्मा, दयाराम सैनी, गणेश हरित, बाबूलाल गोयल, सुरेश भारद्वाज, सरदार जोगिन्दर सिंह चहल, गिरधारीलाल दायमा, धर्मचन्द छाबड़ा, धर्मपाल शर्मा, देवीदयाल, ब्रह्मप्रकाश वर्मा, चेतन स्वरूप, ओपीबत्रा, शेरसिंह यादव और अशोक कुमार डोरा आदि उपस्थित रहे।